ओम् शान्ति 03-07-18 मधुबन

''रक्षाबन्धन के पावन पर्व की हार्दिक शुभ बधाईयां'' (मधुर याद पत्र)

परमपवित्र परमप्यारे अव्यक्तमूर्त मात-पिता बापदादा के अति लाडले, सदा मन-वचन-कर्म की श्रेष्ठता द्वारा सम्पन्नता और सम्पूर्णता की समीपता का अनुभव करने वाले, पवित्रता के बल से स्वर्णिम युग की स्थापना के निमित्त बने हुए देश विदेश की सभी अथक सेवाधारी टीचर्स बहिनें तथा सभी होलीहंस ब्राह्मण कुल भूषण भाई बहिनें,

ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न मधुर याद प्यार के साथ आज राखी के पावन पर्व की हार्दिक शुभ बधाईयां।

वर्तमान समय मधुबन, शान्तिवन में बहुत अच्छी योग तपस्या के कार्यक्रम चल रहे हैं। आप सभी भी जुलाई-अगस्त मास में अपने अपने स्थानों पर विशेष शक्तिशाली योग तपस्या करेंगे ही। मीठे बाबा ने अव्यक्त रूप से हम सबकी कितनी पालना की है। समय प्रति समय अनेकानेक होमवर्क दिये हैं, जिन पर सभी का विशेष ध्यान रहता है। अभी तो समय की समीपता को देखते हुए श्रेष्ठ पुरुषार्थ की लहर फैलानी है। बापदादा ने विशेष नाज़ुक समय प्रमाण सेकण्ड में संकल्पों को फुलस्टाप लगाने और बार-बार अशरीरी स्थिति का अभ्यास करने का इशारा दिया है।

अभी तो हम सबको अपने किये हुए शुभ संकल्पों, वायदों की स्मृति दिलाने वाला तथा बेहद सेवायें कराने वाला स्नेह का सूचक राखी पर्व समीप आ रहा है। देश विदेश में यह त्योहार सभी बहुत स्नेह और भावना के साथ मनाते हैं। इस दिन सभी बड़े प्यार से एक दो के समीप आते और सेवाओं में सहयोगी बनने का संकल्प भी करते हैं। इस बार तो हम सब ''वैश्विक ज्ञानोदय द्वारा स्वर्णिम युग'' के रूप में यह वर्ष मना रहे हैं। इसके अन्तर्गत चारों ओर बहुत अच्छी सेवायें हो रही हैं। अब सारे संसार में ज्ञान का प्रकाश फैलाकर सबको स्वर्णिम युग की खुशखबरी सुनाने का समय है। इसके साथ-साथ हम सबको श्रेष्ठ योगी, महातपस्वी बन, सदा रूहानियत में रह साक्षात्कार की लहर फैलानी है। बाबा कहते बच्चे अब प्रयत्न करने का समय गया, अब तो प्रतिज्ञा करके स्वयं को सम्पन्न और सम्पूर्ण बनाना है। मन्सा में भी व्यर्थ वा निगेटिव संकल्प उत्पन्न न हो। सदा निमित्त भाव से, करावनहार बाप की स्मृति में रह अपनी स्थिति को अचल अडोल बनाना है। यथार्थ योग की विधि से सर्व सिद्धियां प्राप्त करनी है। तन-मन-धन, समय संकल्प श्वांस सब कुछ सफल कर सफलतामूर्त के वरदानी बनना है। इस राखी के पावन पर्व पर हम सभी यही शुभ संकल्प लें कि 1- सदा अकालमूर्त की स्थिति में रह अपने नयनों से, मस्तक से पवित्रता की शक्ति का अनुभव कराते वायुमण्डल में पवित्रता की किरणें फैलायेंगे।2- सदा स्नेह और सन्तुष्टता सम्पन्न व्यवहार कर सफलता मूर्त बनेंगे। 3- दृढ़ता से सर्व ईश्वरीय नियम और मर्यादाओं का पालन करते हुए सन्तुष्ट रहेंगे और सर्व को सन्तुष्ट करेंगे।

बाकी आज मधुबन बेहद घर से आपके पास बहुत सुन्दर स्नेह की राखी आ रही है। निमित्त मीठी बहिनें आप अपने-अपने क्लासेज़ में यह राखी दिखलाना तथा सबको बापदादा से किये वायदों की स्मृति दिलाते हुए मुख मीठा कराना जी। हर एक ऐसा ही समझे कि बापदादा के स्नेह की यह पावन राखी हमें पर्सनल आई है। इसी शुभ भावना से हर एक राखी बंधवाये तथा दृढ़ता भरा शुभ संकल्प भी अवश्य करे। देखो, हमारी मीठी सभी दादियां, दादी गुल्जार तथा मधुबन का बेहद परिवार आप सबको राखी के पावन पर्व की बहुत-बहुत बधाईयां दे रहे हैं। अच्छा - सर्व को याद...

ईश्वरीय सेवा में,

B. K. Janki

बी.के. जानकी